आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 16 अंक : 39 लखनऊ, बुद्धवार 21 जनवरी 2026 सा 27 जनवरी 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

'शहरी नक्सलवाद' और घुसपैठियों पर प्रधानमंत्री मोदी का डबल अटैक, बोले- ये अंतरराष्ट्रीय साजिश है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शहरी नक्सलवाद के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसने अंतरराष्ट्रीय आयाम हासिल कर लिए हैं और यह भारत के खिलाफ काम करना जारी रखे हुए है। राजधानी में भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, जहां नितिन नबीन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला, पीएम मोदी ने कहा कि एक और बड़ी चुनौती शहरी नक्सलवाद है। शहरी नक्सलवाद का दायरा अंतरराष्ट्रीय होता जा रहा है। अगर वे साल में एक–दो बार भी मोदी के बारे में कुछ सकारात्मक ट्वीट करते हैं, या टीवी पर कुछ सकारात्मक कहते हैं, या अखबार में कुछ सकारात्मक लिखते हैं, तो कुछ पत्रकार उन्हें इतना अपमानित करते हैं कि उनका पीछा किया जाता है और उन्हें अछूत बना दिया जाता है। उन्हें इस तरह चुप करा दिया जाता है कि वे फिर कभी बोल न सकें। यही शहरी नक्सलवाद का तरीका है। मोदी ने आगे कहा कि वर्षों से ऐसे समूह भाजपा को अलग–थलग करते रहे हैं और देश भर में पार्टी सदस्यों को अछूतों की तरह मानते रहे हैं। ष्अब देश इन शहरी नक्सलियों की हरकतों को समझ रहा है। शहरी नक्सली लगातार भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए काम कर रहे है। आज सुबह प्रधानमंत्री मोदी ने देश भर में घुसपैठियों के बारे में चेतावनी देते हुए कहा कि हमें हर चुनौती

का पूरी ताकत से सामना करना होगा। आज देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती घुसपैठियों की है। दुनिया में कोई भी देश अपने देश में घुसपैठियों को स्वीकार नहीं करता, और भारत भी घुसपैठियों को अपने गरीबों और युवाओं के अधिकारों को छीनने की अनुमति नहीं दे सकता। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि घुसपैठिए देश की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा हैंय उनकी पहचान करना और उन्हें उनके देशों में वापस भेजना बेहद जरूरी है। इसके अलावा, जो राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं, उन्हें पूरी ताकत से जनता के सामने बेनकाब किया जाना चाहिए। इसी बीच, नितिन नबीन ने आज सुबह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कई अन्य भाजपा नेता और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित थे। वरिष्ठ भारतीय राजनीतिज्ञ नितिन नबीन बिहार विधानसभा के पांच बार के सदस्य और बिहार सरकार में पूर्व मंत्री रह चुके हैं। वे अपनी निरंतर संगठनात्मक क्षमता और प्रशासनिक अनुभव के लिए जाने जाते हैं। ३६ में से ३० राज्य अध्यक्षों के निर्वाचित होने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई, जो आवश्यक ५० प्रतिशत की सीमा को पार कर गई। चुनाव कार्यक्रम १६ जनवरी, २०२६ को मतदाता सूची के साथ घोषित किया गया था। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन प्रक्रिया कल, १६ जनवरी, २०२६ को दोपहर २ बजे से ४ बजे के बीच संपन्न हुई।

नितिन नबीन आज से मेरे बॉस, पीएम मोदी बोले - हमारे यहां अध्यक्ष बदलते हैं, लेकिन आदर्श नहीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में नितिन नबीन की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के समारोह के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के इस महत्वपूर्ण अवसर पर एकत्रित होने से वातावरण उत्साह से भरा हुआ था। भाजपा के १२वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नबीन को बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं नितिन नबीन को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी का अध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं। जब पार्टी की बात आती है, तो नितिन नबीन मेरे बॉस हैं और मैं एक पार्टी कार्यकर्ता हूं। उनके इस कथन पर उपस्थित लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश भर में कई महीनों से चल रही व्यापक आंतरिक चुनाव प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाजपा के संविधान का कड़ाई से पालन करते हुए जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष संगठनात्मक पद तक के नेताओं का चुनाव किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया अब औपचारिक रूप से पूरी हो चुकी है और यह पार्टी के मजबूत लोकतांत्रिक मूल्यों, अनुशासन और कार्यकर्ता–प्रथम दर्शन का प्रमाण है। उन्होंने इस प्रक्रिया में शामिल लाखों पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह भव्य संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया भारतीय जनता पार्टी के लोकतांत्रिक विश्वास, संगठनात्मक अनुशासन और कार्यकर्ता–केंद्रित दृष्टिकोण का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे इस बात पर जोर दिया कि भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व मॉडल उसकी विरासत और जनसेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से मजबूत होता है। उन्होंने कहा इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए मैं देश भर के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं... हमारा नेतृत्व परंपरा से प्रेरित है, अनुभव से समृद्ध है और जनसेवा एवं राष्ट्रीय सेवा की भावना से संगठन को आगे बढ़ाता है।

उत्तर प्रदेश में बनेगा देश का सबसे बड़ा एआई डाटा सेंटर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की सालाना बैठक के दौरान मंगलवार को एएम ग्रीन ग्रुप के साथ एक समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत प्रदेश के ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में एक गीगावाट क्षमता का अत्याधुनिक डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा, जो भारत में 'हाई परफॉर्मेंस कम्प्यूटिंग' (एचपीसी) और कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते कार्य बोझ से जुड़ी जरूरतों को पूरा करेगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में एएम ग्रीन समूह २५ अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा। एक बयान के मुताबिक यह समझौता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख डेटा सेंटर और एआई केंद्र बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित होगा। एएम ग्रीन ग्रुप द्वारा स्थापित किया जाने वाला यह एआई बुनियादी ढांचा केंद्र चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा। परियोजना के पहले चरण की शुरुआत वर्ष २०२८ तक हो जाएगी, जबकि कंपनी के लक्ष्य के अनुसार २०३० तक यह सेंटर पूरी एक गीगावाट क्षमता के साथ

काम करने लगेगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में एएम ग्रीन समूह २५ अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा, जो भारत में अब तक के सबसे बड़े निवेशों में एक होगा। यह भारत सरकार के 'विकसित भारत २०४७' विजन के अनुरूप एआई आधारित सेवाओं के विस्तार में तेजी लाने में सहायक साबित होगा। यह डेटा सेंटर कार्बन मुक्त ऊर्जा का इस्तेमाल करते हुए भारतीय कंपनियों को भी चिपसेट एक्सेस उपलब्ध कराएगा, ताकि वे तेजी से देश में एआई समाधान का विकास कर सकें। एएम ग्रीन यहां एआई का मुकम्मल परिवेश विकसित करने पर काम कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार की डेटा सेंटर प लिसी, मजबूत औद्योगिक गलियारा, बेहतरीन कनेक्टिविटी और निवेशक अनुकूल माहौल के चलते एएम ग्रीन ग्रुप ने उत्तर प्रदेश को इस परियोजना के लिए चुना है। यह सुविधा २४•७ कार्बन मुक्त हरित ऊर्जा पर आधारित होगी, जिसमें पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पंप्ड स्टोरेज का उपयोग किया जाएगा। इस परियोजना से क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आने की संभावना है। साथ ही हजारों उच्च कौशल वाले रोजगार सृजित होंगे।

यूपी में टीईटी, टीजीटी, पीजीटी परीक्षा की तारीखों का एलान, अप्रैल से जुलाई २०२६ के बीच होंगी परीक्षाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) ने लंबे इंतजार के बाद शिक्षक भर्ती परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। मंगलवार को आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद टीईटी, टीजीटी, पीजीटी और सहायक आचार्य भर्ती परीक्षाओं की नई तिथियों की घोषणा की गई। जारी कैलेंडर के अनुसार अप्रैल से जुलाई २०२६ के बीच परीक्षाएं होंगी। आयोग के अनुसार, लंबे समय से अटकी भर्ती प्रक्रिया को गति देने के लिए परीक्षाएं

चरणबद्ध ढंग से कराई जाएंगी। सभी परीक्षाएं कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ आयोजित की जाएंगी। परीक्षा केंद्र, पाली और प्रवेश पत्र से संबंधित जानकारी अभ्यर्थियों को समय से आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी परीक्षाएं निर्धारित समय पर कराई जाएंगी और किसी भी तरह की अफवाहों से बचने के लिए अभ्यर्थी केवल आधिकारिक सूचना पर ही भरोसा करें।

सम्पादकीय

चाबहार से भारत की विदाईः रणनीतिक हार या कूटनीतिक मजबूरी?

चाबहार बंदरगाह सिर्फ कारोबारी लिहाज से अहम नहीं है, बल्कि इसके साथ भारत की भू–राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाएं भी जुड़ी हुई थीं। इसे पाकिस्तान के ग्वादार में चीन निर्मित बंदरगाह के जवाब के रूप में देखा जाता था। इसके अलावा चाबहार से भारत को मध्य एवं पश्चिम एशिया से होते हुए यूरोप तक ऐसा मार्ग मिलने की संभावना थी, जिसमें पाकिस्तान नहीं आता। इस लिहाज से यह भारत के दीर्घकालिक रणनीतिक तथा वाणिज्यिक हित को सुरक्षित बनाने वाली परियोजना है। मगर अब अमेरिकी दबाव में भारत चाबहार बंदरगाह से नाता तोड़ रहा है। २०१८ में चाबहार में निर्माण कार्य आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका ने ईरान पर लगाए अपने प्रतिबंधों में विशेष छूट दी थी। तब समझा गया था कि चीन के पसरते पांवों पर लगाम लगाने के मुद्दे पर भारत और अमेरिका में रणनीतिक साझापन है। मगर बतौर राष्ट्रपति अपने दूसरे कार्यकाल में ड नल्ड ट्रंप ने वह छूट वापस ले ली। कुछ समय बाद यानी बीते अक्टूबर में ट्रंप प्रशासन ने छह महीनों के लिए छूट की अवधि बढ़ाई। अब पता चला है कि यह समय विस्तार भारत को चाबहार परियोजना में हिसाब–किताब पूरा करते हुए अपना हाथ समेटने के लिए दिया गया। खबर है कि अमेरिका से बिना कोई प्रतिरोध जताए भारत समयसीमा के अंदर इस कार्य को पूरा कर रहा है। इसके बाद ईरान चाबहार बंदरगाह का संचालन किसी अन्य देश को देने के लिए स्वतंत्र होगा। संभवतः ये ठेका चीन को जाएगा। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिस परियोजना को चीन को नियंत्रित करने की भारत की पहल माना जाता था, उसका संचालन अब चीन के हाथ में ही जा सकता है। इसके पहले २०१९ में ईरानी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत ने अचानक ईरान से अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी खत्म कर दी थी। इस कदम ने ईरानी बाजार को लगभग चीन के हवाले कर दिया। चीन तब से दुनिया के सस्ते ईरानी कच्चे तेल का लगभग अकेला खरीदार है, मगर उस पर अमेरिका ने कोई कार्रवाई नहीं की है। जबकि उसकी धौंस में आकर भारत अपने हितों की बलि चढ़ाता गया है। इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण और क्या होगा!

रुपया लेकर पट्टा करने वालों के विरुद्ध हो सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। लगातार दो दिन मकर संक्रांतिधखिचड़ी महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधाओं के प्रबंधन तथा निगरानी में व्यस्त रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को जनता दर्शन का आयोजन किया। गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री ने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और शीघ्रता से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दर्शन में भूमि पट्टा आवंटन से जुड़ी कतिपय शिकायतों पर गंभीर दिखे मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिस भी गांव में रुपया लेकर पट्टा आवंटन की शिकायत हो, वहां तत्काल जांच कर दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में शुक्रवार सुबह आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब २०० लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद चलकर गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना और समझा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित

की समस्या का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता दर्शन में एक महिला ने गांव में गरीबों के जमीन पट्टा आवंटन में अनियमितता की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि जहां भी रुपया लेकर जमीन पट्टा दिया गया हो, वहां संबंधित की जिम्मेदारी तय कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। अपराध से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। इसी क्रम में एक महिला ने आर्थिक तंगी को लेकर बिटिया की शादी की चिंता व्यक्त की तो सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि बिटिया का विवाह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में कराने की व्यवस्था करें। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्चस्तरीय इलाज का एस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। एस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा 'उपभोक्ता बाजार' है : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र का सबसे बड़ा 'उपभोक्ता बाजार' उत्तर प्रदेश है। चिकित्सा प्रौद्योगिकी एवं स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश, नवाचार और वैश्विक सहयोग के लिए यहां आयोजित तीन दिवसीय'यूपी हेल्थ टेक कॉन्क्लेव' की शुरुआत करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''हमारे लिए यह सम्मेलन इसलिए महत्वपूर्ण है कि इस क्षेत्र का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार उत्तर प्रदेश है।'' उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की आबादी २५ करोड़ है और उसके साथ ही अगल–बगल के राज्य तथा पड़ोसी देश नेपाल की भी स्वास्थ्य सुविधाओं का भार इस प्रदेश पर पड़ता है। उन्होंने २०१४ में देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने और २०१७ में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बदलावों का दावा करते हुए कहा कि इस राज्य ने भारत सरकार के साथ मिलकर पिछले आठ–नौ वर्षों के अंदर स्वास्थ्य क्षेत्र में परिवर्तन करने में व्यापक सफलता प्राप्त की है। स्वास्थ्य क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को बेहतर करने का प्रयास किया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''२०१७ से पहले उत्तर प्रदेश में सरकारी और निजी क्षेत्र को मिलाकर कुल ४० मेडिकल कालेज थे और आज उत्तर प्रदेश में ८१ मेडिकल कालेज पूरी तरह क्रियाशील हैं, दो एम्स हैं, लगभग जिला स्तर के १०० से अधिक अस्पताल हैं, जो सरकार द्वारा संचालित होते हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) और 'वेलनेस सेंटर' की लंबी श्रृंखला है जो दूर दराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले ११ वर्षों में व्यापक परिवर्तन और सुविधा मजबूत होने के साथ ही अकेले उत्तर प्रदेश में साढ़े पांच करोड़ प्रधानमंत्री आयुष्मान गोल्डन कार्ड जारी किए गए और उनके लाभार्थियों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये की स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में इस परिवर्तन का परिणाम है कि मृत्यु दर को नियंत्रित करने और संस्थागत प्रसव को राष्ट्रीय मानक के अनुरूप लाने में सफलता प्राप्त कर ली गयी है।

रोट्रैक्ट युवाओं ने किया अयोध्या दर्शन

लखनऊ। रोट्रैक्ट डिस्ट्रिक्ट अ र्गनाइजेशन, रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट ३१२० के तत्वावधान में चल रहे तीन दिवसीय सत्कार समिति के अंतिम दिन देशभर से आए युवा प्रतिनिधियों ने लखनऊ से अयोध्या जाकर राम मंदिर सहित नगर के प्रमुख स्थलों का भ्रमण किया और वापस लखनऊ आकर अपने शहर लौटे। इसी के साथ सत्कार आयोजन सम्पन्न हो गया। इस कार्यक्रम में भारत के कुल २५ राज्यों से युवा उद्यमी व रोट्रैक्ट क्लब के समाजसेवी युवक युवतियों ने रोटरैक्ट मंडल ३१२० की प्रथम महिला मंडल प्रतिनिधि रोटरैक्टर माही भान के नेतृत्व में प्रतिभाग किया। आयोजन में दो सौ से अधिक प्रतिभागियों के साथ रोटरी क्लब के वरिष्ठ सदस्यों ने उपस्थित रहकर अनुभव प्रतिभागियों के सामने रखे। सत्कार

आयोजन में विशेष रूप से कामदेश्वर सिंह, अर्जुन भारती, वरिष्ठ सदस्य भारती गुप्ता, पंकज मित्तल, अंकुर गुप्ता, वैष्णवी सक्सेना, अंजलि त्रिपाठी, मो. तय्यब जमील, प्रेम प्रकाश कुशवाहा, अभिषेक सिंह, शुभम गोयल, आलोक पांडे, यथार्थ गोलछा, कौशल साहू, वैभव ठाकुर, विशाखा सिंह, निधि उपाध्याय, अनुष्का सिंह, ष्णा केसरी, विवेक सिंह, प्रदीप दुबे, विश्वास अग्रवाल, त्रिनयन राजपूत, शक्ति शर्मा, आशुतोष चौबे के साथ–साथ अन्य सदस्यों का प्रमुख योगदान रहा।

रोडवेज बस और कार की टक्कर में दो व्यक्तियों की मौत, 10 अन्य घायल

लखनऊ। अमेठी जिले के गौरीगंज थाना क्षेत्र में रविवार को रोडवेज बस और कार में भीषण टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई जबकि १० अन्य घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए कहा कि घायलों में से चार की हालत गंभीर है। पुलिस के मुताबिक हादसा गौरीगंज थाना क्षेत्र के रायबरेली–सुल्तानपुर राजमार्ग के बनी बाबूगंज सगरा के पास हुआ, जहां घने कोहरे के चलते रोडवेज बस और कार में आमने–सामने की टक्कर हो गई। हादसे में गौरीगंज के अन्नी बैजल निवासी कार सवार दीपक सिंह (४५)व कौशांबी निवासी ऋतुराज यादव (३५) की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में १० लोग घायल हो गए हैं जिनमें चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को जिला चिकित्सालय गौरीगंज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। थाना गौरीगंज के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ)श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि सभी घायलों को जिला चिकित्सालय में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि चार को गंभीर चोटें आई हैं। एसएचओ ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

अधिकारियों ने सभी मतदान केन्द्रों पर एसआईआर से जुड़े कार्यों का आकलन किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत रविवार को प्रदेश के सभी मतदान केन्द्रों पर बूथ स्तरीय अधिकारियों द्वारा किये गये कार्यों की गुणवत्ता का आकलन किया गया। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अधिकारियों ने विभिन्न जिलों में मतदान केन्द्रों का स्थलीय भ्रमण कर जमीनी हकीकत का जायजा लिया गया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्य

की गुणवत्ता का आकलन किया। रिणवा ने बताया कि यह सुनिश्चित किया गया कि बीएलओ निर्धारित समय पर बूथों पर उपस्थित रहकर मतदाताओं को मसौदा मतदाता सूची पढ़कर सुनाएं और मृतक, स्थानांतरित, अनुपस्थित, दोहरी प्रविष्टि अथवा अन्य कारणों से चिह्नित मतदाताओं से संबंधित जानकारी स्पष्ट रूप से साझा की जा रही है। रिणवा ने प्रदेश के सभी मतदाताओं से अपने संबंधित बूथ की मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर नाम शामिल न हो या किसी प्रकार की त्रुटि हो तो फार्म–६, ७ अथवा ८ के माध्यम से समयबद्ध रूप से अ नलाइन या अ फलाइन दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराएं, जिससे मतदाता सूची को और अधिक विश्वसनीय बनाया जा सके।

बम की सूचना पर विमान को आपात स्थिति में उतारा गया, निरीक्षण में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला

लखनऊ। दिल्ली से पश्चिम बंगाल के बागडोगरा जा रही इंडिगो विमानन कंपनी की एक उड़ान में बम होने की सूचना मिलने के बाद विमान को रविवार सुबह लखनऊ हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) को सुबह लगभग ८.४६ बजे इंडिगो की उड़ान ६ई–६६५० में बम होने की सूचना मिली। अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलते ही निर्धारित सुरक्षा प्रोटोक ल का पालन करते हुए विमान का मार्ग परिवर्तित किया गया और उसे सुबह ६.१७ बजे आपात स्थिति में लखनऊ हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया। उन्होंने बताया कि विमान के हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद विमान को एक अलग स्थान पर खड़ा किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद विमान का सघन निरीक्षण किया गया और इस दौरान कोई भी विस्फोटक या अन्य संदिग्ध चीज नहीं मिली, जिसके बाद सभी यात्री विमान में फिर से सवार हुए और अनिवार्य सुरक्षा जांच व निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद विमान शाम चार बजकर ४० मिनट पर अपने गंतव्य के लिये रवाना हो गया। लखनऊ पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, प्रारंभिक जांच के दौरान एक टीशू पेपर पर हाथ से लिखा एक नोट मिला, जिस पर 'प्लेन में बम' है, लिखा था। पुलिस ने बताया कि विमान में आठ शिशुओं सहित २२२ यात्री, दो पायलट और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। पुलिस के मुताबिक, बम निरोधक दस्ते, सुरक्षा एजेंसियां और हवाई अड्डा अधिकारी विमान की गहन सुरक्षा जांच की। इंडिगो के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा गया, "१८ जनवरी २०२६ को दिल्ली से बागडोगरा जा रही इंडिगो की उड़ान ६ई ६६५० में सुरक्षा संबंधी खतरा महसूस किया गया, जिसकी वजह से विमान की लखनऊ में आपात लैंडिंग करायी गयी।

बीएसए का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में औचक निरीक्षण, छात्राओं की शैक्षणिक गुणवत्ता और सुविधाओं की परखी हकीकत

लखनऊ। विकासखंड बक्शी का तालाब स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए)

विपिन कुमार ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीएसए ने विद्यालय में छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक, आवासीय एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का गहन निरीक्षण कर उनकी वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बीएसए ने कक्षा ७ की छात्रा निहारिका एवं नैना से मीना मंच की कहानी से संबंधित पाठ पढ़वाया और उनकी शैक्षणिक समझ का आकलन किया। इसके साथ ही उन्होंने छात्राओं से विद्यालय की समय–सारणी के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। वहीं, कक्षा ६ की छात्रा भूमिका ने विद्यालय में नियमित रूप से कराए जाने वाले योग एवं व्यायाम संबंधी गतिविधियों की जानकारी दी। बीएसए विपिन कुमार ने छात्राओं से संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, दिनचर्या और गतिविधियों को लेकर संतोष व्यक्त किया, साथ ही कुछ बिंदुओं पर और सुधार के निर्देश भी दिए। उन्होंने विद्यालय की वार्डन स्वातिनी को निर्देशित किया कि पात्र छात्राओं का राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा (**NMMS**) में अनिवार्य रूप से आवेदन कराया जाए तथा उन्हें नियमित और योजनाबद्ध तरीके से परीक्षा की तैयारी कराई जाए। इस अवसर पर उपस्थित खंड शिक्षा अधिकारी प्रीती शुक्ला ने बताया कि विद्यालय की छात्राओं को छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए नियमित ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से तैयारी कराई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक छात्राएं परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकें। बीएसए ने स्पष्ट किया कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का उद्देश्य वंचित वर्ग की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित और अनुकूल वातावरण प्रदान करना है, और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने विद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए कि शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन और छात्राओं की सर्वांगीण विकास गतिविधियों पर निरंतर ध्यान दिया जाए।

Rae Bareli से Rahul Gandhi की हुंकार, 'MGNREGA कानून बदलकर PM Modi छीन रहे गरीबों का हक'

लखनऊ। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एमजीएनआरईजीए अधिनियम को निरस्त करने के फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर गरीबों की बजाय नौकरशाहों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। एमजीएनआरईजीए अधिनियम को निरस्त करने के मुद्दे पर मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सत्ता का केंद्रीकरण करके उसे नौकरशाही के हाथों में सौंपने और गरीब नागरिकों को भूखा मरने के लिए छोड़ने का आरोप लगाया। राहुल गांधी कहा कि एमजीएनआरईजीए का उद्देश्य आर्थिक जिम्मेदारी लेना और बेरोजगार ग्रामीण नागरिकों को न्यूनतम मजदूरी प्रदान करना था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसा नहीं चाहतेय वे सत्ता का केंद्रीकरण करके उसे नौकरशाही के हाथों में सौंपना चाहते हैं और गरीब नागरिकों को भूखा मरने के लिए छोड़ देना चाहते हैं। अधिनियम में संशोधन के साथ ही गरीबों का संरक्षण समाप्त हो गया है। इसलिए कांग्रेस देशव्यापी एमजीएनआरईजीए बचाओ अभियान चला रही है... प्रधानमंत्री चाहते हैं कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था अंबानी और अडानी के हाथों में चली जाए, जबकि हम गरीबों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी ने संशोधित वीबी–जी राम–जी अधिनियम से महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने की भी निंदा की। कांग्रेस सांसद ने आज राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में यूथ स्पोर्ट्स एकेडमी रायबरेली द्वारा आयोजित रायबरेली प्रीमियर लीग का उद्घाटन किया। कांग्रेस सांसद महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को रद्द किए जाने के विरोध में जनसभा को संबोधित करने और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करने के लिए अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर हैं। आज बाद में, गांधी उन्चाहार के रोहानिया में एक

श्एमजीएनआरईजीए चौपालश (सामुदायिक सभा) आयोजित करेंगे। राहुल गांधी एमपीएलएडीएस (संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना) के कार्यों का भी उद्घाटन करेंगे। वे नगर निगम अध्यक्ष के आवास पर भी जाएंगे। इसके बाद, दूसरे दिन, कांग्रेस सांसद का अपने गेस्ट हाउस में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक निर्धारित है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने रविवार को कहा कि नए कानून के विरोध में एक व्यापक कार्यक्रम तैयार किया गया है। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में ३० महापंचायतों का आयोजन करेगी। अजय राय ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे भी इनमें से कुछ महापंचायतों में शामिल हो सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में, पार्टी ने केंद्र सरकार द्वारा पारित नए वीबी–जी–राम जी कानून के विरोध में ष्एमजीएनआरईगा बचाओष् नाम से तीन चरणों के राष्ट्रव्यापी आंदोलन की घोषणा की थी।

बरेली जिले के सिरौली थानाक्षेत्र में पुलिस और विशेष अभियान समूह

बरेली। (एसओजी) की साझा टीम ने कीटनाशक की एक दुकान पर छापा मारकर चार कथित तस्करों को १.३ किलोग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि बरामद अफीम की कीमत करीब १० लाख रुपये आंकी गई है। सिरौली के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) विनोद कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान देवेन्द्र, गुड्डू, पप्पू और सुनील पाल के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि दुकानदार सुनील पाल दिव्यांग है, इसके बावजूद उसके माध्यम से अफीम की तस्करी कराई जा रही थी। थाना प्रभारी के मुताबिक आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि बरामद अफीम आंवला क्षेत्र के गिरंधपुर गांव के गुड्डू और पप्पू लेकर आए थे, जो कैरियर के रूप में काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार एसओजी और सिरौली थाने को क्षेत्र में अफीम तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी जिसके आधार पर पुलिस टीम ने जाल बिछाया और लभारी निवासी के देवेंद्र से अफीम का सौदा तय किया। पुलिस का कहना है कि तय योजना के अनुसार गुलड़िया में रुखाड़ा निवासी सुनील पाल की कीटनाशक की दुकान पर अफीम की डिलीवरी होनी थी, ऐसे में जैसे ही देवेंद्र अफीम लेकर दुकान पर पहुंचा, पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। पुलिस ने कहा कि तलाशी के दौरान उसके पास से अफीम बरामद कर ली गई। विनोद कुमार के अनुसार पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

आयुर्वेदः प्राचीन चिकित्सा पद्धति का वैश्विक उत्थान

डॉ नीलम महेंद्र

हाल ही में जयपुर के एसएमएस और उसके संबद्ध अस्पतालों में की गई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि मनुष्यों में एंटीबायोटिक दवाओं का असर ५७ः से ६०ः तक कम हो गया है। कुल ६७७६ मरीजों पर की गई रिसर्च में पता चला कि इनमें से एक भी मरीज ऐसा नहीं था जिसे एंटीबायोटिक का ६०ः भी असर हुआ हो। इन सभी के शरीर में एंटीबायोटिक्स के प्रति ६०ः से ६८ः तक रेजिस्टेंस आ गया है। जिन एंटीबायोटिक्स का असर बिल्कुल खत्म हो गया है उनमें सिप्रोफ्लाक्सासिन, एरोथ्रोमाइसिन, ड क्सिसाइकिलिन, एमपीसीलिन जैसे ब्र ड स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक (एक ऐसा एंटीबायोटिक जो कई तरह के बैक्टीरिया खासकर ग्राम पॉजिटिव और ग्राम नेगेटिव दोनों प्रकार के जीवाणुओं पर असर करता है) शामिल हैं जो अपने आप में अत्यंत चिंताजनक है। दरअसल यह इन एंटीबायोटिक के अत्यधिक प्रयोग का साइड इफेक्ट है। एलोपैथिक दवाओं के साइड इफेक्ट इतने पर ही सीमित नहीं हैं। अब ध ीरे धीरे यह बात सामने आने लगी है कि लगभग हर अंग्रेजी दवा का कोई न कोई साइड इफेक्ट होता ही है। हालांकि हर दवा कंपनी दवा की पैकिंग के समय उसके उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में एक पर्ची में सारी जानकारी देती है लेकिन फिर भी जब से एलोपैथी अस्तित्व में आई,उसकी दवा से मिलने वाले तात्कालिक राहत को देखते हुए अधिकांश लोगों का झुकाव उसकी ओर होता चला गया। लेकिन पिछले कुछ समय से इस प्रकार की रिसर्च और रिपोर्टें लोगों को सोचने के लिए विवश कर रही है। खास तौर पर सोशल मीडिया के इस डिजिटल दौर में जब कोई भी सूचना क्षण भर में आम हो जाती है, तो आम आदमी भी खास जानकारी से युक्त हो के जागरूक हो जाता है। नतीजन आज विश्व भर में लोग स्वस्थ्य रहने के लिए प्रेंति, आयुर्वेद, प्राणायाम और योग की ओर लौट रहे हैं। यही कारण है कि आयुर्वेद, जो कि एक प्राचीन भारतीय चिकित्सा विज्ञान है,वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। आज यह न केवल भारत बल्कि दुनिया भर के लोगों को

स्वस्थ जीवन जीने के साथ साथ कई जानलेवा बीमारियों से लड़कर पुनः स्वस्थ होने की राह दिखा रहा है। दअरसल आधुनिक जीवन शैली के परिणाम स्वरूप आजकल लोगों को कम उम्र में ही मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापा जैसे रोग हो रहे हैं। लेकिन इन परिस्थितियों में जब अंग्रेजी दवाइयों के दुष्प्रभाव सामने आने लगे हैं, तब जनमानस में एक सुखद बदलाव यह देखने को मिल रहा है कि अब वे अंग्रेजी दवाइयों का सहारा लेने के बजाए अपनी दिनचर्या में बदलाव लाकर इन बीमारियों से बचने के लिए प्राकृतिक आहार विहार को अपनाकर स्वस्थ होने पर बल दे रहे हैं। खास तौर पर कोरोना महामारी के दौरान जिस प्रकार लोग आयुर्वेद के साधारण घरेलू नुस्खों से अपनी इम्युनिटी बढ़ाकर इस जानलेवा बीमारी से लड़कर खुद को बचाए रखने में कामयाब रहे उसने विश्व भर में आयुर्वेद की लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम किया। परिणाम स्वरूप २०२३ तक वैश्विक आयुर्वेद बाजार का आकार लगभग१२.६ बिलियन डॉलर आ गया था और यह २०३० तक ७६.६१ बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो २७.२ः की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। आयुर्वेद के बढ़ते प्रभाव का एक प्रमाण यह भी है कि भारत के आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन के बीच पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को प्रोत्साहित करने और उनके वैज्ञानिक आधार को मजबूत करने के लिए २०२३ में एक समझौता किया गया। इसका उद्देश्य सम्पूर्ण विश्व में आयुर्वेद की

स्वीकार्यता और विभिन्न रोगों के उपचार में आयुर्वेद की प्रभावशीलता को देखते हुए तकनीकी प्रमाण आधारित आयुर्वेदिक उत्पादों का विकास करना है। दरअसल आज भारत ही नहीं विश्व के विभिन्न शोध संस्थान आयुर्वेद के चिकित्सीय लाभों और इसके औषधीय उपयोगों पर व्यापक अनुसंधान कर रहे हैं। तुलसी, सर्पगन्धा,अश्वगंधा, गिलोय, नीम, आँवला, हल्दी जैसे पौधों पर किए गए वैज्ञानिक अनुसंधानों के परिणामों ने विश्व भर के वैज्ञानिकों को अचंभित किया है। इन आयुर्वेदिक औषधियों पर रिसर्च करने पर यह बात सामने आई कि ये साध ारण पौधे या वनस्पतियाँ नहीं हैं बल्कि औषधीय गुणों की खान हैं। ये सिर्फ मानव शरीर ही नहीं मन पर भी अपना औषधीय प्रभाव डालती हैं। यही कारण है कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की बात हो या मानसिक तनाव कम करने की बात हो, शरीर को स्वस्थ रखना हो या फिर युवा रखना हो, आज लोग इन बातों के लिए आयुर्वेद का सहारा ले रहे हैं। गौरतलब है कि वर्तमान दौर में आयुर्वेद केवल चिकित्सा के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि सौंदर्य और पोषण उत्पादों के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण एवं अग्रणी भूमिका में आ चुका है। असल में आज दुनिया भर के लोग एलोपैथिक दवाइयों के साइड इफेक्ट और और विभिन्न हानिकारक केमिकल से युक्त सौंदर्य प्रसादनों के दुष्प्रभावों से त्रस्त हो चुके हैं। शायद इसलिए जिन्हें लोग पहले जड़ी बूटी कहकर नकार देते थे आज वे हर्बल और नेचुरल या फिर प्राकृतिक उत्पादों के रूप में लोगों की पहली पसन्द बन चुके हैं। नतीजन इन हर्बल उत्पादों की मांग घरेलू के साथ साथ वैश्विक उपभोक्ताओं के बीच भी तेजी से बढ़ रही है। आज वैश्विक स्तर पर भारत ही नहीं बल्कि चीन, जापान और यूरोपीय देशों में भी आयुर्वेदिक उत्पादों और सेवाओं की बढ़ती मांग, आयुर्वेद की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। दरअसल विभिन्न वैज्ञानिक अनुसंधानों ने आयुर्वेद को विज्ञान की कसौटी पर मानव स्वास्थ्य के लिए खरा साबित किया है। क्योंकि कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी में जब आधुनिक चिकित्सा पद्धति में खतरनाक रेडिएशन और केमोथेरेपी का सहारा लिया जाता है तो मरीज के शरीर की कैंसर कोशिकाओं को नुकसान पहुँचने के साथ साथ शरीर की स्वस्थ कोशिकाएँ भी नष्ट हो जाती हैं। इससे मरीज को बेहद शारिरिक पीड़ा एवं वेदना से गुजरना पड़ता है। इतना ही नहीं बल्कि स्वस्थ होने के बाद भी दीर्घ काल तक रेडिएशन और केमोथेरेपी के साइड इफेक्ट का सन्ताप भी झेलना पड़ता है। वहीं रिसर्च में हल्दी और गिलोय जैसी आयुर्वेदिक औषधियों में कैंसर–रोधी गुण पाए गए हैं। खास बात यह है कि आयुर्वेद पर किए गए प्रयोगों के इस प्रकार के नतीजों से उत्साहित वैज्ञानिक अब आयुर्वेदिक औषधियों को आधुनिक तकनीकों, जैसे नैनो टेक्नोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी, के साथ जोड़ रहे हैं। आज जब पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों गंभीर संकट के दौर से गुजर रहे हैं, आयुर्वेद एक प्रभावी समाधान के रूप में उभर कर आया है। क्योंकि यह न केवल गम्भीर से गम्भीर बीमारियों का उपचार प्रदान कर रहा है, बल्कि मानव को प्रकृति के साथ जोड़ रहा है, उसे प्रकृति के करीब ला रहा है। यहाँ यह समझना आवश्यक है कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का विज्ञान है। दिन ,रात सर्दी, गर्मी, बरसात, समय के इस बदलते चक्र के साथ, प्रकृति के बदलते रंग के साथ, अपनी दिन चर्या, आहार विहार, खान पान में बदलाव लाकर, प्रकृति के साथ मानव शरीर का सामंजस्य बनाने का विज्ञान। आज जब विश्व आध ुनिक चिकित्सा पद्धतियों के दुष्प्रभावों और सीमाओं का सामना कर रही है, भारत का हजारों साल पुराना चिकित्सा विज्ञान आयुर्वेद एक नई उम्मीद के रूप में उभर रहा है। भारतीय योग परम्परा के बाद आयुर्वेद की यह वैश्विक स्वीकार्यता भारत के गौरवशाली और समृद्ध अतीत का प्रमाण है।...

.लेखिका पेट्रोलियम एवं प्रोंतिक गैस मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति की सदस्य हैं।

सीएमओ कार्यालय सभागार में टीबी–एचआईवी कोअ र्डिनेशन बैठक संपन्न

लखीमपुर खीरी। सीएमओ कार्यालय सभागार में मंगलवार को टीबी–एचआईवी कोऑर्डि नेशन बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. प्रमोद रावत भी मौजूद रहे। बैठक में टीबी और एचआईवी के बीच समन्वय (कोअ र्डिनेशन) को मजबूत करने से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सीएमओ ड . संतोष गुप्ता ने कहा कि टीबी और एचआईवी दोनों ही गंभीर संक्रामक रोग हैं, जिनका समय पर पता लगाकर समन्वित उपचार किया जाना आवश्यक है। एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों में टीबी होने की संभावना अधिक रहती है, इसलिए दोनों कार्यक्रमों के बीच बेहतर तालमेल से रोगियों को समय पर जांच और उपचार उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सभी स्वास्थ्य इकाइयों पर टीबी मरीजों की एचआईवी जांच तथा एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों की टीबी स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही काउंसलिंग, दवा वितरण और फॉलोअप की व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। बैठक में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को टीबी उन्मूलन के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. प्रमोद रावत ने टीबी–एचआईवी कोऑर्डिनेशन की कार्ययोजना एवं जमीनी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। बैठक के माध्यम से जिले में टीबी मुक्त अभियान को गति देने और एचआईवी से प्रभावित मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

इस्कॉन लखीमपुर में प्रेरणा यूथ फेस्टिवल सफलतापूर्वक संपन्न

लखीमपुर खीरी ।इस्क न लखीमपुर में आयोजित प्रेरणा यूथ फेस्टिवल सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा प्रस्तुत नाटक "कैलाश" से हुई, जिसमें यह संदेश दिया गया कि साधु की उत्तम सलाह की उपेक्षा और इन्द्रिय–सुख में आसक्ति जीव को पुनर्जन्म के बंधन में ले जाती है।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इस्क न झांसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रिय गोविंद प्रभु जी रहे। उन्होंने युवाओं में बढ़ते तनाव के कारणों प्रतिस्पध ार्त्मक मानसिकता, गलत संगति, अस्वस्थ जीवनशैली, आध्यात्मिक रिक्तता और अत्यधिक अपेक्षाओंपर प्रकाश डाला। इस्कॉन लखीमपुर के संचालक सुनील मुकुंद प्रभु ने बताया कि प्रिय गोविंद प्रभु जी ने तनाव से मुक्ति हेतु स्माइल सूत्र प्रस्तुत किया, जिसमें सेल्फ केयर, माइंड ऐंड बॉडी केयर, आइडेंटिटी तथा लर्निंग नजरिया को अपनाने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता के सिद्धांतों को जीवन में अपनाकर युवा तनावमुक्त होकर सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में युवाओं के साथ संवाद सत्र, विषय–आधारित क्विज प्रतियोगिता एवं अंत में प्रसाद वितरण किया गया। आयोजकों के अनुसार यह फेस्टिवल युवाओं में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और उद्देश्यपूर्ण जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा।यह जानकारी इस्कॉन लखीमपुर के मीडिया प्रभारी नूतन मिश्रा एवं सह मीडिया प्रभारी स्पर्श सिन्हा द्वारा दी गई।

कंजा बाबा मंदिर पर हिन्दु सम्मेलन का भव्य आयोजन।

गोला गोकर्णनाथ खीरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हिंदू सम्मेलन में समाज को संगठित होने का आह्वान, सांस्कृतिक मूल्यों पर दिया गया जोर.ममरी हनुमान मंदिर, कंजा में आयोजित हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता राजकुमार जी (विभाग बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, सीतापुर विभाग) ने समाज से एकजुट, जागरूक और संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समरसता, सांसेंतिक चेतना और राष्ट्रबोध को सुदृढ़ करना है। बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि एक जीवंत सांसेंतिक परंपरा है, जिसकी जड़ें हजारों वर्षों पुरानी हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दो हजार वर्षों में विश्व में अनेक सामाजिक, राजनीतिक और वैचारिक प्रयोग हुए, किंतु वे मानवता को स्थायी सुख और शांति नहीं दे सके। आज पूरी दुनिया आशा की दृष्टि से भारत की ओर देख रही है कि वह अपनी सनातन संसेंति के मूल्यों के माध्यम से

मानवता को नई दिशा दे सके। संगठन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी समाज तब तक सशक्त नहीं बन सकता, जब तक वह संगठित न हो। इतिहास के उदाहरणों के माध्यम से उन्होंने बताया कि संगठित समाज ही परिवर्तन लाने में सक्षम होता है। रामचरितमानस और अन्य ग्रंथों के उद्धरणों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि समर्थ और संगठित समाज ही अपने मूल्यों की रक्षा कर सकता है। भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने कहा कि हमारे ऋषि–मुनि अपने समय के महान वैज्ञानिक और विचारक थे। खगोल विज्ञान, आयुर्वेद, गणित और भाषा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में भारत का योगदान विश्व को मार्गदर्शन देता रहा है। नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत सदियों तक वैश्विक ज्ञान का केंद्र रहा है। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता को समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया गया। इस अवसर पर पांच प्रमुख संकल्पों का आह्वान किया गयों एक मंदिर, एक श्मशान, एक जलाशय और एक पंगत । भाषा, भूषा, भोजन, भ्रमण और भवन में सांस्कृतिक चेतना का वास । अपने पूरे परिवार के साथ रात्रि भोजन । सिंगल यूज प्लास्टिक का त्याग, जल संरक्षण और वृक्षारोपणय तथा प्रत्येक नागरिक द्वारा अपने कर्तव्यों का पालन। युवाओं की भूमिका पर विशेष चर्चा करते हुए कहा गया कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होती है। उन्हें केवल भौतिक सफलता तक सीमित न रहकर सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि केवल हर पांच वर्ष में मतदान करना पर्याप्त नहीं, बल्कि समाज को निरंतर सक्रिय और सजग रहना होगा। कार्यक्रम के अंत में भगवद्गीता के संदेशों का उल्लेख करते हुए समाज से भय, आलस्य और आपसी विभाजन जैसी दुर्बलताओं को त्यागकर एकजुट होने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने विश्वास जताया कि भारत आने वाले समय में विश्व को शांति, सह–अस्तित्व और नैतिकता का मार्ग दिखाएगा। कार्यक्रम का समापन "भारत माता की आरती" एवं समरसता भोज के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महंत आदित्येश्वरानंद बाबा (हनुमान मंदिर, कंजा) ने की तथा मातृशक्ति के रूप में उर्मिला शर्मा जी (संचालिका, शिशु वाटिका, गोला) ने मंच पर प्रतिनिधित्व किया।

मध्यस्थता अभियान को लेकर हुई बैठक न्यायिक अधिकारियों को जिला जज ने दिए निर्देश

लखीमपुर खीरी। जनपद न्यायाध ीशअध्यक्ष शिवकुमार सिंह की अध्यक्षता में मध्यस्थता अभियान की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिला विधि ाक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में १ जनवरी २०२६ से ३१ मार्च २०२६ तक मध्यस्थता अभियान संचालित किया जा रहा है जिसके अंतर्गत ऐसे सभी वादों का चयन किया जाएगा जिनका निस्तारण सुलह समझौते के माध्यम से किया जा सकता है। इस अवधि में न्यायालय द्वारा चिन्हित किए गए मामलों को मध्यस्थता केंद्र भेजा जाए उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत वैवाहिक वाद, दुर्घटना दावे के मामले, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्य विभाग सेवा विवाद, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपति के बंटवारे, बेदखकली, भूमि अधिग्रहण और अन्य उपयुक्त दीवानी मामलों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित किया जा जाएगा, बैठक में उपस्थित समस्त सभी न्यायिक अधिकारीगण को मध्यस्थता अभियान २.० के लिए चिन्हित वादों व रेफरल वादों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि समस्त न्यायिक अधिकारी अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर मीडिएशन सेंटर को प्रेषित करना सुनिश्चित करे जिससे कि मध्यस्थता अभियान २.० को सफल बनाया जा सके ।

गोला पूर्व ग्रह राज्यमंत्री ने किया अटल भवन का फीता काटकर उद्घाटन।

गोला गोकर्णनाथ खीरी। दिनांक २० जनवरी को भाजपा नेता विपिन मिश्रा के कार्यालय का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी की अध यक्षता कर रहे पूज्य संत अंजनी शरण जी महाराज ने किया साथ

ही समाजिक समरसता सम्मेलन एवं सहभोज का आयोजन हुआ। विपिन मिश्रा के नेतृत्व में १३६ गोला विधानसभा क्षेत्र से हजारों की संख्या में जनसमूह एकत्रित हुआ कार्यक्रम में अजय मिश्रा ने कहा कि इस अटल भवन का जो सुभारम्भ से क्षेत्र के कार्यकर्ताओ को ऊर्जा प्राप्त होंगी और श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेई जी का स्मरण भी निरंतर होता रहेगा श्रद्धेय अटल जी भारतीय जनता पार्टी के जनक थे समाजिक समरसता का ताना बाना बुनकर समाज को जोड़ने का कार्य करते थे आज उन्ही की प्रेरणा से समाजिक समरसता सम्मेलन का आयोजन विपिन मिश्रा के द्वारा किया जा रहा है सामाजिक समरसता सम्मेलन और का ये जो आयोजन है ये सम्पूर्ण समाज को जोड़ने वाला है साथ विपिन मिश्रा को बध ाई सुभकामनाये भी दीं कार्यक्रम की अध्यक्षता पूज्य संत श्री अंजनी शरण जी महाराज जी ने की महराज जी ने की और विपिन मिश्रा को अपना आशीर्वाद सुभकामनाये दीं कार्यक्रम में विपिन मिश्रा ने आये हुए अतिथियों एवं हजारों की संख्या में उपस्थित जनसमूह का स्वागत कर आभार व्यक्त किया कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका चेयरमैन मीनाक्षी अग्रवाल, भाजपा जिलाउपाध्यक्ष विजय माहेश्वरी, श्री ठाकुर प्रशाद गंगवार, मुन्ना लाल अवस्थी, संजय मिश्रा, सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित हुए।

प्री बोर्ड परीक्षा देने आए छात्र की बाइक चोरी, मुकदमा दर्ज नरेंद्र मिश्रा

मैगलगंज खीरी।सोमवार को कोतवाली मैगलगंज क्षेत्र अंतर्गत चौकी फत्तेपुर के ग्राम कल्लुआमोती स्थित राठौर मिशन बालिका इंटर कॉलेज में प्री–बोर्ड परीक्षा देने आए छात्र की बाइक अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरोलिया गांव निवासी छात्र सुनील कुमार परीक्षा देने के लिए गांव के ही हरी शंकर पुत्र राधेश्याम की बाइक संख्या यूपी ३१ बीएस २७७४ मांगकर क लेज आया था। छात्र ने अपनी बाइक कॉलेज परिसर के बाहर खड़ी की थी। परीक्षा के दौरान अज्ञात चोरों ने बाइक पर हाथ साफ कर दिया।परीक्षा समाप्त होने के बाद जब छात्र बाहर आया तो बाइक मौके से गायब मिली। पीड़ित द्वारा घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी फत्तेपुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई।बाइक स्वामी हरी शंकर के प्रार्थनापत्र के आधार पर कोतवाली मैगलगंज में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा पंजीत कर लिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है तथा शीघ्र ही घटना के खुलासे का आश्वासन दिया है।

सुल्तान गाजी को राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा किया गया सम्मानित

लखीमपुर खीरी।जनपद लखीमपुर खीरी के सामाजिक कार्यकर्ता एवं विश्व मानवाधिकार परिषद संगठन के जिला अध्यक्ष सुल्तान गाजी को उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए विश्व मानवाधिकार परिषद संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डाक्टर एम आर अंसारी के द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस मौके पर विश्व मानवा अधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सुल्तान गाजी जब से संस्था के जिला अध्यक्ष बने हैं। सबसे हुआ लगातार सामाजिक कार्यों में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। और लगातार लोगों की मदद कर रहे हैं। संगठन को लगातार मजबूती प्रदान कर रहे हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सईद बेग वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता साजिद मंसूरी जिला उपाध्यक्ष अब्दुल्लाह खान, ब्ल क अध्यक्ष पलिया प्रदीप राय, के अलावा अन्य सैकड़ों लोगों ने सुल्तान गाजी को सम्मानित होने पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

वाहनों के विरुद्ध हुई चालान की कार्यवाही

(सुनील शर्मा)

लखीमपुर खीरी, २० जनवरी। सड़क सुरक्षा माह के २० वें दिन एआरटीओ शांति भूषण पांडे द्वारा गन्ना संचालित वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए ०३ चालान किए। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा माह १ जनवरी २०२६ से ३१ जनवरी २०२६ तक मनाया जा रहा है परिवहन आयुक्त महोदया द्वारा दिए गए निर्देशानुसार तीसरी सप्ताह में दिनांक १५ से २१ तक स्कूली वाहनों के विरुद्ध तथा अवैध पार्किंग में खड़ी वालों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है जिसके दृष्टिगत आज कुल ६५ स्कूली वाहनों का निरीक्षण किया गया जिन्हें फिट पाया गया एवं अवैध पार्किंग में खड़े मिले ३५ वाहनों के विरुद्ध चालान एवं अन्य अभियोग कुल ०६ वाहन के विरुद्ध बंद की कार्यवाही की गई। तत्पश्चात वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए पेम्प्लेट्स भी वितरित किए गए तथा आमजनमानस से अपील भी की गई कि सड़क सुक्षा नियमों का पालन करें।

लोकसभा में संसदों की 'गैरहाजिरी' पर लगेगी लगाम, अध्यक्ष ओम बिरला ने बजट सत्र से बदला नियम

नई दिल्ली। संसदीय कार्यवाही में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घोषणा की है कि अब सांसदों की उपस्थिति तभी दर्ज की जाएगी जब वे सदन में अपने निर्धारित सीटों पर शारीरिक रूप से उपस्थित होंगे। यह नया

नियम आगामी बजट सत्र से प्रभावी होगा। बिरला ने ८६वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान मीडियाकर्मियों से संक्षिप्त बातचीत में यह जानकारी दी। लोकसभा अध्यक्ष ने सूचित किया कि संसद परिसर में सदन कक्ष के बाहर से सदस्यों को उपस्थिति दर्ज करने की पूर्व व्यवस्था को समाप्त किया जा रहा है, जो विधायी कामकाज में गंभीरता और अनुशासन की आवश्यकता को रेखांकित करता है। बिरला ने कहा कि अब उपस्थिति तभी दर्ज की जाएगी जब सदस्य सदन के अंदर बैठे होंगे। पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। साथ ही, सदन स्थगित होने के बाद कोई भी सदस्य उपस्थिति दर्ज नहीं कर सकता, भले ही यह व्यवधान के कारण हो। इस कदम से सदस्यों को प्रतिदिन कार्यवाही की शुरुआत से सदन में उपस्थित होने के लिए प्रोत्साहन मिलने की संभावना है। अध्यक्ष ने कहा कि यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि उपस्थिति संसद परिसर में मात्र उपस्थिति के बजाय सदन की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी को सटीक रूप से दर्शाए। उपस्थिति को सदन में शारीरिक उपस्थिति से जोड़कर, इस पहल का उद्देश्य सदस्यों को वाद–विवाद और चर्चाओं के दौरान उपस्थित रहने के लिए प्रोत्साहित करना है। बिरला के अनुसार, लोकसभा कक्ष के प्रत्येक भाग में निर्धारित कंसोल पहले से ही स्थापित किए जा चुके हैं। यह सुधार संसदीय प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण और विधायी सत्रों की समग्र उत्पादकता में सुधार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। लोकसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि संसद में उपयोग के लिए एआई उपकरणों का परीक्षण किया जा रहा है और संभावित त्रुटियों को दूर करने के लिए मैनुअल सत्यापन तंत्र स्थापित किए गए हैं। चुनिंदा बैठकों के लिए वास्तविक समय अनुवाद का प्रयोग किया जा रहा है और आने वाले महीनों में यह सुविधा चालू हो जाएगी। इसके अलावा, विधायकों को शोध पत्रों और संदर्भ सामग्री तक समय पर पहुंच प्रदान करने के लिए २४•७ शोध सहायता सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बिरला ने यह भी कहा कि विधानसभाओं की बैठकों की संख्या में कमी भी चिंता का विषय है। विधायी संस्थाओं की प्रभावशीलता, जवाबदेही और उत्पादकता बढ़ाकर उन्हें मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस संदर्भ में, विधानसभाओं के न्यूनतम बैठक दिवसों की संख्या से संबंधित प्रस्तावों पर पहले भी चर्चा की जा चुकी है।

जातिसूचक दुर्व्यवहार और हमला करने के आरोप में जामिया संकाय सदस्य के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को जामिया मिलिया इस्लामिया के एक एसोसिएट प्रोफेसर के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। एसोसिएट प्रोफेसर के खिलाफ विश्वविद्यालय के प लिटेक्निक विभाग के एक कर्मचारी ने अपशब्द कहने और हमला करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया पर किए जा रहे दावों के विपरीत धर्मांतरण का कोई आरोप नहीं है। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा, ''जेएमआई पॉलिटेक्निक में स्नातक शिक्षा अधिकारी रामफूल मीणा की शिकायत पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर रियाजुद्दीन के खिलाफ धारा ३(आई)(आर) एससीएसटी अधिनियम १९८९ और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा ११५(२) के तहत जामिया नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है और जांच शुरू कर दी गई है।'' विश्वविद्यालय ने हमले के आरोप और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को छेड़छाड़ किया हुआ बताते हुए खारिज किया है। पुलिस के एक बयान के अनुसार, दक्षिण–पूर्वी दिल्ली के ओखला इलाके में स्थित संस्थान के एक कर्मचारी ने सोमवार को सिविल इंजीनियरिंग विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। कर्मचारी ने आरोप लगाया कि १३ जनवरी को एसोसिएट प्रोफेसर उसकी डेस्क पर आए, आपत्तिजनक का इस्तेमाल किया और उसके साथ हिंसक व्यवहार किया। पुलिस ने बयान में कहा, ''कानून के मुताबिक, कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बयान दर्ज किए जा रहे हैं और सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं।'' पुलिस ने इस विवाद में धर्मांतरण के किसी भी कोण से इनकार किया है। पुलिस के बयान में कहा गया, ''यह स्पष्ट किया जाता है कि शिकायतकर्ता ने जबरन धर्मांतरण के किसी भी प्रयास के संबंध में कोई आरोप नहीं लगाया है। ऐसी खबरें तथ्यात्मक रूप से गलत और बेबुनियाद हैं।'' पुलिस ने मीडिया और जनता से ऐसी अपुष्ट जानकारी प्रसारित न करने का आग्रह किया है, जिससे सांप्रदायिक सद्भाव प्रभावित हो सकता है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शिकायतकर्ता पॉलिटेक्निक विभाग में यूडीसी है। इस बीच, जामिया मिल्लिया इस्लामिया की आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, ''हमें अपने कर्मचारी की ओर से किसी मारपीट या जाति–आधारित घटना के संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है।'' उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर हमले का जो वीडियो प्रसारित हो रहा है, उसके साथ छेड़छाड़ की गई है। प्रवक्ता ने कहा कि अनलाइन प्रसारित किए जा रहे वीडियो का किसी भी कथित हमले से कोई लेना–देना नहीं है।

एनसीआर में प्रदूषण की मारः एक्यूआई 400 के पार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण ने एक बार फिर गंभीर हालात पैदा कर दिए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) और आईएमडी के एयर क्वालिटी मनिटरिंग स्टेशनों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगातार ४०० के पार दर्ज किया जा रहा है। यह स्थिति "गंभीर" श्रेणी में आती है, जो आम जनजीवन और स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक मानी जाती है। गाजियाबाद की बात करें तो इंदिरापुरम में एक्यूआई ४१०, लोनी में ४३५, संजय नगर में ३३५ और वसुंधरा में ४३६ दर्ज किया गया। वहीं नोएडा के सेक्टर–१२५ में एक्यूआई ४०६, सेक्टर–६२ में ३८५, सेक्टर–१ में ४११ और सेक्टर–११६ में ४०६ रिकॉर्ड किया गया। ये आंकड़े साफ तौर पर बताते हैं कि दिल्ली से सटे यूपी के शहर भी प्रदूषण की गंभीर चपेट में हैं। दिल्ली के हालात और भी चिंताजनक नजर आ रहे हैं। आनंद विहार में एक्यूआई ४४४, अशोक विहार में ४४२, रोहिणी में ४३८, पंजाबी बाग में ४३६ और पटपड़गंज में ४३४ दर्ज किया गया। आरके पुरम में एक्यूआई ४२०, सोनिया विहार में ४१७, बवाना में ४१६ और ओखला फेज–२ में ४१५ रिकर्ड किया गया। इसके अलावा चांदनी चौक (४०८), डीयू (४०३), शादिपुर (३७२), सीआरआरआई मथुरा रोड (३६०), सिरीफोर्ट (३६८) और श्री अरबिंदो मार्ग (३२५) जैसे इलाकों में भी हवा बेहद खराब स्थिति में बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी फिलहाल कोई बड़ी राहत मिलने की संभावना नहीं है। २० से २२ जनवरी तक मौसम पूर्वानुमान में मध्यम कोहरे की संभावना जताई गई है। अधिकतम तापमान २३ से २४ डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान ७ से ८ डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की है, लेकिन हवा की रफ्तार कम होने और ठंडे मौसम के कारण प्रदूषक कण वातावरण में ही फंसे हुए हैं। दिलचस्प बात यह है कि कोहरा अपेक्षोंत कम है और विजिबिलिटी भी ठीक बताई जा रही है, इसके बावजूद पूरे एनसीआर पर स्म ग की मोटी चादर छाई हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और मौसमीय परिस्थितियां मिलकर इस गंभीर स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। अनावश्यक बाहर निकलने से बचने, मास्क का उपयोग करने और घर के अंदर रहने की अपील की जा रही है। फिलहाल, जब तक मौसम में बदलाव या तेज हवाएं नहीं चलतीं, तब तक एनसीआर के लोगों को प्रदूषण से राहत मिलती नजर नहीं आ रही है।

अबू सलेम की पैरोल पर सरकार की दो टूक, श्भागा तो पुर्तगाल से संबंध होंगे खराबश

मुम्बई। महाराष्ट्र सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया है कि गैंगस्टर अबू सलेम को पैरोल पर रिहा करने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जिनमें उसके देश से भाग जाने का खतरा और भारत–पुर्तगाल के बीच राजनयिक संबंधों को नुकसान पहुंचना शामिल है। मंगलवार को अदालत में दाखिल हलफनामे में सरकार ने सलेम के बड़े भाई की मृत्यु के बाद १४ दिनों की पैरोल की उसकी अर्जी का विरोध किया। सरकार ने कहा कि अगर कोई राहत दी भी जाती है, तो वह आपातकालीन पैरोल के तौर पर अधिकतम दो दिनों तक ही सीमित होनी चाहिए। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति ए.एस. गडकरी और श्याम चंदक की खंडपीठ ने की। सुनवाई के दौरान, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कहा कि वह सलीम के मामलों में अभियोजन पक्ष है और उसे प्रतिवादी के रूप में जोड़ा जाना चाहिए। सीबीआई ने यह भी चेतावनी दी कि सलीम को जमानत या पैरोल देने से कानून–व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है। उच्च न्यायालय ने कहा कि वह इस मामले की आगे की सुनवाई २८ जनवरी को करेगा। जेल महानिरीक्षक सुहास वार्के द्वारा दायर हलफनामे के अनुसार, सलीम एक अंतरराष्ट्रीय अपराधी है जो कई दशकों से संगठित अपराध में शामिल रहा है। हलफनामे में कहा गया है कि उसे पुर्तगाल से एक संधि के तहत प्रत्यर्पित किया गया था जिसमें भारतीय सरकार द्वारा दी गई विशिष्ट गारंटी शामिल थीं। हलफनामे में इस बात पर जोर दिया गया कि भारत, पुर्तगाल के साथ प्रत्यर्पण के समय हुए समझौते की शर्तों का पालन करने के लिए बाध्य है। इसमें चेतावनी दी गई कि यदि सलीम पैरोल पर रहते हुए फरार हो जाता है, तो इससे दोनों देशों के बीच गंभीर राजनयिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा हो सकता है। राज्य ने यह भी बताया कि सलीम १९९३ में गिरफ्तारी से बचने के लिए भारत से भाग गया था, जिससे यह आशंका जताई गई कि यदि उसे अस्थायी रूप से भी रिहा किया जाता है, तो वह फिर से ऐसा कर सकता है। सलेम को नवंबर २००५ में लिस्बन में गिरफ्तार किया गया और भारत वापस लाया गया। पुर्तगाल में, उसे फर्जी पासपोर्ट पर यात्रा करने के लिए दोषी ठहराया गया था।

करप्शन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा एक्शन, अब केंद्रीय सरकारी अफसरों की जांच करेगी राज्य एसीबी

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार–विरोधी एजेंसियों के अधिकार क्षेत्र की सीमाओं को स्पष्ट करते हुए एक महत्वपूर्ण फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि राज्य पुलिस प्राधिकरण भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, १९८८ के तहत अपराधों के आरोपी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ जांच करने और आरोपपत्र दाखिल करने के लिए पूरी तरह से सक्षम हैं। न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस धारणा को खारिज कर दिया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के पास ऐसे मामलों पर अनन्य अधिकार क्षेत्र है, और यह स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार–विरोधी ब्यूरो (एसीबी) जैसी राज्य स्तरीय एजेंसियों को कार्रवाई करने के लिए सीबीआई की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं है। यह फैसला राजस्थान उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ अपील की सुनवाई के दौरान आया, जिसमें राज्य की एसीबी द्वारा केंद्र सरकार के एक अधिकारी के खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार के मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि एक केंद्रीय कर्मचारी होने के नाते, उसे केवल दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान (सीबीआई) की निगरानी में होना चाहिए और उसके आचरण की राज्य द्वारा की गई कोई भी

जांच कानूनी रूप से अमान्य है। इस तर्क को खारिज करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि डीएसपीई अधिनियम नियमित राज्य पुलिस को उनके क्षेत्राधिकार के भीतर किए गए संज्ञेय अपराधों की जांच करने की अंतर्निहित शक्ति से वंचित नहीं करता है, चाहे आरोपी का नियोक्ता कोई भी हो। फैसले का एक अहम पहलू सामान्य सहमति और पूर्व स्वीकृति संबंधी ढाँचों से जुड़ा था। अदालत ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा १७ए के तहत भले ही आधिकारिक फैसलों की जाँच से पहले 'उचित सरकार' से पूर्व स्वीकृति लेना अनिवार्य है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि जाँच किसी विशिष्ट संघीय एजेंसी तक ही सीमित होनी चाहिए। जब तक कथित भ्रष्टाचार राज्य की सीमाओं के भीतर होता है, राज्य की जाँच प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का अधिकार है। इससे केंद्रीय कर्मचारियों को स्थानीय भ्रष्टाचार–विरोधी जाँच से बचने के लिए अपने संघीय दर्जे का इस्तेमाल करने से प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला आपराधिक न्याय व्यवस्था में 'सहकारी संघवाद' मॉडल को सुदृढ़ करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि भ्रष्टाचार प्रशासनिक खामियों के कारण छिप न सके। राज्य एसीबी और सीबीआई के समवर्ती क्षेत्राधिकार की पुष्टि करके, सर्वोच्च न्यायालय ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अधिक प्रभावी प्रवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है।

सुरक्षित यात्रा के लिए वाहनों की फिटनेंस होना आवश्यक

ए के दुबे, लखनऊ। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत चल रही विभिन्न पहलों के क्रम में आज **AKRS ATS** सेंटर (परिवहन विभाग) में एक सार्थक

और ज्ञानवर्धक सड़क सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस जनजागरूकता पहल में **AKRS ATS** टीम और उद्घोष फाउंडेशन के सदस्यों ने मिलकर प्रतिभागियों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद किया, जिनमें शामिल थे। वाहन फिटनेस का महत्व..सुरक्षित एवं जिम्मेदार ड्राइविंग की आदतें..समय–समय पर फिटनेस जाँच की आवश्यकता. .मोबाइल उपयोग, थकान और ओवरस्पीडिंग से जुड़े खतरे दोपहिया चालकों के लिए हेलमेट की अनिवार्यता..गुड समैरिटन (**Good Sama ritan**) कानून आज सेंटर पर फिटनेस के लिए आए ड्राइवरों के साथ–साथ अन्य आगंतुकों ने भी बड़ी रुचि के साथ इस सत्र को सुना। विशेषज्ञों ने बताया किं "सुरक्षित यात्रा की शुरुआत फिट वाहन से होती है।" सत्र के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से सड़क सुरक्षा की शपथ ली और नियमों का पालन करने का संकल्प दोहराया। आइए मिलकर न केवल इस माह, बल्कि पूरे वर्ष को सुरक्षित सड़क वर्ष बनाने की दिशा में कदम

बिना लाइसेंस चल रही गुड़ भट्ठी,नाबालिक से कराया जा रहा कार्य

लखीमपुर खीरी।जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित की जा रही बिना लाइसेंस की गुड़

भट्ठी स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं।ग्रामीणों के अनुसार इन इकाइयों में मानक विहीन तरीके से गुड़ तैयार किया जा रहा है जिससे उपभोक्ताओं व आस पास के संचालित हो रहे विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चो के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। सबसे गंभीर बात यह है कि इन भट्ठियों में नाबालिग बच्चों से भी काम करवाए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। श्रम कानूनों के उल्लंघन के बावजूद कार्रवाई न होने से लोगों में आक्रोश है। क्षेत्र में फैली गंदगी,धुआँ और प्रदूषण से आसपास के गांवों के निवासियों व विद्यालय संचालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय स्रोतों का कहना है कि कुछ इकाइयों में कलाली और सेफोलाइट जैसे रसायनों का उपयोग कर गुड़ को जल्दी जमाने और उसका रंग निखारने का प्रयास किया जाता है जो स्वास्थ्य के लिए संभावित रूप से हानिकारक हो सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन इन शिकायतों पर मूकदर्शक बना हुआ है, जबकि क्षेत्र में अवैध गतिविधियाँ खुलेआम जारी हैं। लोगों ने संबंधित विभागों से तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है, ताकि नाबालिगों का शोषण रोका जा सके और उपभोक्ताओं को मानक अनुरूप सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।इस संबंध में जिले के सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा जिलाधिकारी खीरी को शिकायत भेजकर कार्रवाई की मांग की है।

केमिकल का प्रयोग कर बनाई जा रही गुड़ गंदगी की भरमार विभाग बना मूकदर्शक

जंगल से एक व्यक्ति का शव बरामद, पुलिस को हत्या का अंदेशा

बांदा। जिले की नरैनी कोतवाली क्षेत्र के जंगल से पुलिस ने शनिवार को एक व्यक्ति का शव बरामद किया। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। नरैनी के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ)ंष्ण कांत त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस ने नरैनी कोतवाली क्षेत्र के जमवारा गांव के जंगल से शनिवार को ४५ साल के व्यक्ति का शव बरामद किया जिसकी पहचान अभी नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि शव में धारदार हथियार से वार किए जाने के निशान पाए जाने से ऐसा प्रतीत होता है कि हत्या कर शव जंगल में फेंका गया है। सीओ ने बताया कि शव की पहचान करने के प्रयास जारी है और मामले की जांच की जा रही है।

ट्रांसफार्मर हादसे के बाद संवेदनशील नेतृत्व से उपचार और जवाबदेही सुनिश्चित

लखनऊ। सार्वजनिक जीवन में सच्चा नेतृत्व केवल वक्तव्यों से नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में त्वरित निर्णय, समन्वित कार्यवाही और मानवीय संवेदनशीलता से परिलक्षित होता है। ऐसा ही उत्तरदायी और संवेदनशील नेतृत्व हाल ही में सरोजिनी नगर क्षेत्र में घटित एक दुखद घटना के बाद देखने को मिला। दिनांक ११ जनवरी २०२६ को सैनिक विहार क लोनी, बिजनौर में खुले एवं असुरक्षित विद्युत ट्रांसफार्मर के संपर्क में आने से अर्पित पाल (उम्र ८ वर्ष), पुत्र श्री राकेश पाल, गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद बच्चे के उपचार को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए के.जी.एम.यू., लखनऊ में चिकित्सा की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। अब तक लगभग ७५,००० की चिकित्सा सहायता विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के मार्गदर्शन में उपलब्ध कराई जा चुकी है। इसके साथ ही उनकी टीम के सदस्यों द्वारा रक्तदान कर पीड़ित परिवार को चिकित्सकीय एवं नैतिक सहयोग प्रदान किया गया। चूंकि पीड़ित परिवार मूल रूप से मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र का निवासी है, अतः संवैधानिक मर्यादाओं का ध्यान रखते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा मोहनलालगंज के माननीय विधायक से विधायक निधि से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का औपचारिक अनुरोध किया गया,

जिससे बच्चे का उपचार निर्बाध रूप से जारी रह सके। घटना को केवल एक दुर्घटना मानकर सीमित न रखते हुए, इसे प्रशासनिक जवाबदेही से जोड़ते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को पत्र लिखकर पीड़ित परिवार को शासन स्तर से समुचित सहायता एवं मुआवजा प्रदान किए जाने का अनुरोध किया गया है। इसके अतिरिक्त ऊर्जा मंत्री को भेजे गए पत्र में एफआईआर दर्ज कराने, निष्पक्ष जाँच, दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई, पीड़ित परिवार को तत्काल मुआवजा देने तथा क्षेत्र में अन्य असुरक्षित ट्रांसफार्मरों की पहचान कर फेंसिंग एवं सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की गई है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ी लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इस दिशा में कड़े मानकों का पालन तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अनिवार्य है। यह घटनाक्रम एक बार फिर यह दर्शाता है कि संवेदनशीलता, संवैधानिक दायित्व और प्रशासनिक दृढ़ता के समन्वय से ही पीड़ितों को न्याय, राहत और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

योगी सरकार के जीरो पावर्टी अभियान को 'धार' देंगे यूनिवर्सिटी और कॉलेज

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके तहत योगी सरकार जीरो पावर्टी अभियान से प्रदेश के विश्वविद्यालयों और क लेजों को जोड़ने पर विचार कर रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय और कॉलेज से एमओयू साइन किया जाएगा। यह विश्वविद्यालय और क लेज जीरो पावर्टी अभियान के तहत चिन्हित निर्धन परिवारों के सर्वांगीण विकास के लिए १० से १५ ग्राम पंचायतों को गोद लेंगे। इन संस्थानों के एनएसएस, एनसीसी, एमएसडब्ल्यू समेत विभिन्न कोर्स के छात्र जीरो पावर्टी परिवार के सदस्यों को आजीविका, कौशल विकास, रोजगार व सामाजिक सशक्तिकरण से जुड़े कार्यों में इन्हे जोड़ने के लिए वालंटियर्स के रूप में काम करेंगे। इसकी शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के तहत सबसे पहले राजधानी लखनऊ से होगी। वहीं सफल परिणाम के बाद चरणबद्ध तरीके से पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। प्रमुख सचिव नियोजन एवं जीरो पावर्टी अभियान के नोडल अधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत के चिन्हित परिवारों को विश्वविद्यालय और कॉलेज के छात्रों द्वारा आजीविका संवर्धन, कौशल विकास, रोजगार सृजन और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए

सर्वे करेंगे। इसे प्रभावी रूप से लागू करने के लिए संस्थानों के स्तर पर नोडल शिक्षक की तैनाती की जाएगी, जो पूरे अभियान की निगरानी करेंगे और ग्राम पंचायतों में चल रहे कार्यक्रमों का मार्गदर्शन करेंगे। युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालयों और क लेजों के एनएसएस, एनसीसी और एमएसडब्ल्यू (सोशल वर्क) समेत विभिन्न कोर्स में अध्यनरत छात्रों को भी जोड़ा जाएगा। ये छात्र गांवों में जाकर जीरो पावर्टी परिवारों के सदस्यों की जरूरतों का आकलन करेंगे। प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि कौशल प्रशिक्षण, रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए माइक्रो–प्लानिंग की जाएगी। युवाओं को स्किलिंग, अप्रेंटिसशिप और प्लेसमेंट लिंकेज से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा, जीरो पावर्टी परिवार के युवाओं को आवेदन प्रक्रियाओं में सहायता दी जाएगी ताकि पात्र परिवार किसी भी योजना से वंचित न रहें। इतना ही नहीं, योग्य लाभार्थियों की नियमित मेंटरिंग और प्रगति की ट्रैकिंग भी की जाएगी। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का १०० प्रतिशत कवरेज मिले। इसे प्रभावी बनाने के लिए जिला प्रशासन के साथ विश्वविद्यालयों और क लेजों का समन्वय किया जाएगा। इसके लिए जिलाधिकारी स्तर पर एमओयू और त्रैमासिक समीक्षा बैठकें आयोजित होंगी, ताकि कार्यों की प्रगति का आकलन किया जा सके और आवश्यक सुधार किए जा सकें।

भारतीय सेना दिवस पर बॉर्डर–२ का ट्रेलर रिलीज के लिए तैयार

मुम्बई। देशभर में भारतीय सेना दिवस मनाया जा रहा है। आज का दिन भारतीय सेना के समर्पण और बहादुर को नमन करने का है। भारतीय सेना के अदम्य साहस को दिखाती फिल्म 'बॉर्डर–२' भी २३ जनवरी को रिलीज होने वाली है। फिल्म से ४

गाने रिलीज हो चुके हैं और अब भारतीय सेना दिवस के मौके पर मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर के रिलीज डेट का एलान कर दिया है। बॉर्डर–२ के ट्रेलर को लेकर नई अपडेट सामने आई है। सनी देओल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म के ट्रेलर को लेकर जानकारी शेयर की है। ट्रेलर को आज शाम को रिलीज किया जाएगा। रिलीज के निश्चित समय के बारे में जानकारी नहीं है। सनी देओल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर लिखा, "इस कहानी से बड़ी कोई और कहानी नहीं, इस जीत से बड़ा कोई और जश्न नहीं! बॉर्डर–२ ट्रेलर आज रिलीज होगा। ट्रेलर की रिलीज की जानकारी के साथ फैंस का भी एक्साइटमेंट लेवल बढ़ चुका है। मेकर्स ने भारतीय सेना दिवस के दिन ट्रेलर को रिलीज करने का फैसला लिया है। एक यूजर ने लिखा, "ट्रेलर का दिल से इंतजार रहेगा, सनी पाजी। एक अन्य यूजर ने लिखा, "यही वो कहानी है जो रग–रग में जोश भर दे। इस जीत से बड़ा कोई जश्न नहीं, इस जज्बे से बड़ी कोई भावना नहीं। फिल्म २३ जनवरी को रिलीज होने वाली है, और फिल्म में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी को लीड रोल में कास्ट किया गया है। फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर मोना सिंह, सोनम बाजवा, आन्या सिंह और मेधा राणा को कास्ट किया गया है।

मेरी सास कभी झूठ नहीं बोलती : अक्षय कुमार

मुम्बई। अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना बॉलीवुड सिनेमा के ऐसे कपल्स हैं, जो मीडिया इंटरव्यू से लेकर सोशल मीडिया पर एक–दूसरे की टांग खींचने का मौका नहीं छोड़ते हैं। इसी हंसी–मजाक और खुशी के साथ कपल ने अपनी शादी के २५ साल पूरे कर लिए हैं। हालांकि, अपनी शादी की सालगिरह पर अक्षय कुमार को अपनी सास डिंपल कपाड़िया की कही बात याद आ रही है। अक्षय कुमार ने शादी के २५ साल पूरे होने की खुशी को सोशल मीडिया पर शेयर किया है और ट्विंकल खन्ना के अजीबोगरीब वीडियो को शेयर किया है जिसमें वे बीच पर टेढ़े–मेढ़े तरीके से चल रही हैं। वीडियो को पोस्ट कर अक्षय ने कैप्शन में लिखा, "जब २००१ में इसी दिन हमारी शादी हुई थी, तब उनकी मां ने कहा था, 'बेटा,

अजीबोगरीब स्थितियों में भी हंसने के लिए तैयार रहना, क्योंकि वो बिल्कुल ऐसा ही करेगी।' २५ साल हो गए और मुझे पता है कि मेरी सास कभी झूठ नहीं बोली। उनकी बेटी तो सीधा चलना भी नहीं चाहती, वह तो जिंदगी में नाचते–नाचते जीना पसंद करती है। अभिनेता ने आगे लिखा, "पहले दिन से लेकर २५वें साल तक, मेरी इस प्यारी पत्नी को सलाम, जो मुझे हंसाती रहती है, सोचने पर मजबूर करती है और कभी–कभी थोड़ा परेशान भी कर देती है! हमारी शादी की सालगिरह मुबारक हो, टीना। २५ साल की मस्ती, जिसे हम दोनों प्यार करते हैं। अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना की शादीशुदा जिंदगी की तरह ही उनकी लव स्टोरी भी मजेदार है। दोनों की पहली मुलाकात मैगजीन के फोटोशूट के दौरान हुई थी और फिर दोनों ने 'इंटरनेशनल खिलाड़ी' और 'जुल्मी' जैसी फिल्मों में काम किया। फिल्मों में काम करने के दौरान दोनों का प्यार परवान चढ़ने लगा और शादी के लिए एक शर्त रखी गई। ट्विंकल का कहना था कि अगर फिल्म 'मेला' फ्लॉप रही तो हम शादी कर लेंगे। मेला फिल्म फ्लप रही और १७ जनवरी २०२५ को दोनों ने शादी कर ली। अभिनेता अक्षय कुमार आज भी फिल्मों में सक्रिय हैं, जबकि ट्विंकल खन्ना लेखिका बन चुकी हैं। उनकी कई किताबें बाजार में आ चुकी हैं, और लगभग सभी किताबों को बहुत अच्छा रिस्पांस मिला है।

शादी के १० साल और यह सफर अभी भी जारी है: असिन

मुम्बई। फिल्मी दुनिया की चमक–दमक से दूर अभिनेत्री असिन थोट्टुमकल एक बार फिर चर्चाओं में हैं। मंगलवार को उन्होंने शादी की १०वीं सालगिरह के जश्न की झलक साझा की, जिसे उन्होंने बेहद खास और रोमांटिक अंदाज में मनाया। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक अपनी दमदार एक्टिंग से पहचान बनाने वाली असिन भले ही अब फिल्मों में नजर नहीं आतीं, लेकिन उनकी झलक का फैंस आज भी इंतजार करते हैं। खास मौके पर असिन ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशियों को लोगों के साथ साझा किया। असिन ने अपनी १०वीं वेडिंग एनिवर्सरी के मौके पर इंस्टाग्राम स्टोरीज में कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इनमें उनके पति और बिजनेसमैन राहुल शर्मा भी नजर आए। एक वीडियो में राहुल शर्मा असिन के लिए मशहूर गायक जॉन लेजेंड का गाना 'ऑल ऑफ मी' गाते दिखाई दिए। इस दौरान असिन की हंसी साफ देखी जा सकती है। असिन ने सबसे पहले एक खूबसूरत सैंड आर्ट की तस्वीर साझा की, जिसे उन्होंने खुद बनाया। इस पर लिखा 'एआर = एआर', और इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा,

"शादी के १० साल पूरे हो चुके हैं और यह सफर अभी भी जारी है। इसके बाद असिन ने कुछ वीडियो पोस्ट किए, जिनमें उनकी एनिवर्सरी सेलिब्रेशन की शानदार सजावट देखने को मिली। एक रोमांटिक कैनोपी को लाइटिंग, पर्दे और गुलाब की पंखुड़ियों के साथ खास तरीके से सजाया गया। एक वीडियो के बैकग्राउंड में हॉलीवुड फिल्म टाइटैनिक का मशहूर गाना 'माई हार्ट विल गो ऑन' बज रहा है। इस खास मौके पर असिन ने बेटी आरिन का नोट भी शेयर किया, जिसे उनकी बेटी ने अपने हाथों से लिखा था, 'हैप्पी एनिवर्सरी मम्मी–पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक